डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कार्यक्रम

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् , बिहार

जुलाई 2016 से आरम्भ हुए डी.एल.एड. (दूरस्थ शिक्षा) के प्रथम सत्र के प्रशिक्षुओं के लिए

प्रदत्त प्रश्न (Assignment Questions)

प्रथम सत्र का विषयपत्र–S1.4 : गणित का शिक्षणशास्त्र–1

प्रश्नों की संख्या : 7	प्रदत्त प्रश्न	अधिकतम अंक : 20

दिशानिर्देश :

- प्रत्येक खण्ड से **एक–एक** प्रश्न करें। लगभग 300–500 शब्दों में उत्तर को लिखें।
- प्रदत्त प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किए जाने की अपेक्षा है : 1. डी.एल.एड.(ओ.डी.एल.) की स्वाध्याय सामग्रियों के अध्ययन से बनी समझ। 2. प्राथमिक विद्यालय के पाठ्यपुस्तकों के अध्ययन–अध्यापन से बनी समझ। 3. अध्ययन केन्द्र पर साधनसेवियों व सहप्रशिक्षुओं के साथ हुई चर्चा से बनी समझ। 4. अपने विद्यालय व कक्षाकक्ष की विभिन्न गतिविधियों को करने से बनी समझ।
- अध्ययन केन्द्र पर जैसे ही किसी इकाई की चर्चा समाप्त होती है तो उससे सम्बंधित प्रदत्त प्रश्न को प्रशिक्षुओं द्वारा करके साधनसेवी को तुरन्त समीक्षा हेतु जमा करना होगा। कितने प्रशिक्षुओं ने उक्त प्रदत्त प्रश्न के उत्तर को जमा कराया, इसका रिकार्ड प्रत्येक साधनसेवी द्वारा रखा जाना अनिवार्य होगा, जिसकी जाँच समय–समय पर की जाएगी।

प्र.सं.	खण्ड–1	अंक : 03
1.A	आप गणित की प्रकृति की समझ का उपयोग कक्षा में किस प्रकार कर सकते है? उदाहरण देकर समझाएं।	
1.B	कक्षा–1 से 5 के गणित की पाठ्यपुस्तकों में से किसी एक पुस्तक के विषयवस्तु का विश्लेषण करें।	
1.C	'विद्यार्थियों को गणित का अध्ययन करना क्यों अच्छा नहीं लगता?' इसके प्रमुख कारणों का विश्लेषण करें।	
1.D	बच्चे की सोच का गणितीयकरण किस प्रकार किया जा सकता है, कुछ उदाहरण बताएं।	
1.E	बच्चो को गणित में मजा आये, आप इसके लिए क्या किया जा सकता है? कुछ उदाहरण देकर बताएं।	

प्र.सं.	खण्ड–2	अंक : 03
2.A	गणित सीखने में भाषा का क्या महत्व है? उदाहरण देते हुए समझाएं।	
2.B	गणित सीखने में बच्चे की पृष्ठभूमि व समझ का इस्तेमाल करने से क्या फायदा होगा? उदारहण देते हुए समझाएं।	
2.C	औपचारिक गणित को ठोस अनुभवों से जोड़ने की जरूरत क्यों है? इससे क्या लाभ होगा।	
2.D	बच्चों द्वारा की गई कुछ गलतियों का उदाहरण देकर बताए कि वे गलतियां बच्चे के गणित सीखने में किस प्रकार उपयेगी हो सकती है?	
2.E	गणित सिखाने में ओरिगॉमी किस प्रकार सहायता कर सकता है? दो उदाहरण देकर समझाइए।	

प्र.सं.	खण्ड–3	अंक : 02
3.A	कब कहेंगे कि किसी बच्चे को गिनती की समझ हो गई है? स्पष्ट करें।	
3.B	संख्या के विकास में वर्गीकरण से क्या अभिप्राय है? विश्लेषण करें।	
3.C	जोड़ एवं गुणा की संक्रियाएँ एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं? उदाहरण देते हुए समझाइए।	
3.D	स्थानीय मान की अवधारणा को किस तरह सरल बनाया जा सकता है? कुछ तरीकें बताएं।	
3.E	संख्या रेखा से आप बच्चों को क्या–क्या समझा सकते हैं? उदाहरण देते हुए बताएं।	

प्र.सं.	खण्ड–4	अंक : 03
4.A	भिन्नात्मक संख्या से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट करें।	
4.B	भिन्नात्मक संख्याओं की समझ को बच्चों में किस प्रकार विकसित किया जा सकता है? प्राथमिक कक्षा के विषयवस्तु को ध्यान में रखते हुए समझाएं।	
4.C	भिन्न का दैनिक जीवन में क्या प्रयोग है, उदाहरण देते हुए समझाएं।	
4.D	भिन्न के विभिन्न अर्थ क्या हैं, बताएं।	
4.E	बच्चों को भिन्नात्मक संख्याएं सीखाने में किस प्रकार के चुनौतियों का समना एक शिक्षक/शिक्षिका को करना पड़ता है, व्याख्या करें।	

प्र.सं.	खण्ड–5	अंक : 03
5.A	ठोस आकृतियाँ समतल आकृतियों से कैसे भिन्न है? उदाहरण के साथ समझाएं।	
5.B	रेखा को परिभाषित करना क्यों मुश्किल है? अपने उत्तर के समर्थन में पर्याप्त तर्क दें।	
5.C	आप अपनी कक्षा में बच्चों के बीच बिन्दु, रेखा, किरण एवं रेखाखंड की अवधारणा कैसे विकसित करेंगे।	
5.D	कोण के कितने प्रकार हैं? सभी प्रकारों का वर्णन करते हुए प्रकृति से जुड़ा एक उदाहरण भी दें।	
5.E	पैटर्न से क्या अभिप्राय है। बच्चे के गणितीयकरण के लिए पैर्टन को आप कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?	

प्र.सं.	खण्ड–6	अंक : 03
6.A	''जीवन के हर क्षेत्र में मापन की आवश्यकता है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं, स्पष्ट करें।	
6.B	तीसरी कक्षा के बच्चे को लंबाई की अवधारणा विकसित करने के लिए आप क्या करेंगे?	
6.C	अमानक इकाईयाँ बच्चों में मापन की अवधारणा स्पष्ट करने में किस प्रकार सहायक है? अपने उत्तर का कारण स्पष्ट करें।	
6.D	बच्चों में धारिता की समझ विकसित करने के लिए एक गतिविधि का विस्तृत वर्णन करें।	
6.E	लम्बाई मापन में शुद्धता के लिए कौन–कौन से आवश्यक सावधानियाँ को बरतना चाहिए और क्यों?	

प्र.सं.	खण्ड–7	अंक : 03
7.A	प्राथमिक कक्षा में गणितीय अवधरणाओं के आकलन की आवश्यकता की व्याख्या कीजिए।	
7.B	गणित अधिगम में पारंपरिक आकलन और विद्यार्थी केन्द्रित आकलन के बीच के विभिन्नताओं को समझाएं।	
7.C	प्रारम्भिक कक्षा में बच्चों के बीच गणित में स्व–आकलन की योग्यता को विकसित करने के दो तरीकों की व्याख्या कीजिए।	
7.D	गणितीय अवधारणाओं के स्पष्टीकरण में शिक्षण अधिगम सामग्री एवं खेलों की भूमिका का विश्लेषण करें।	
7.E	कक्षा में अधिगम क्रियाकलाप में बच्चों की सहभागिता का आकलन करने के लिए आप कौन–कौन से तरीकों को अपनाएंगे, उनकी व्याखा करें।	